Roll No. .....

Signature of Invigilator ……

Paper Code
MD 302

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Dec. – 2017

M. A. Philosophy (Semester: Third)

Philosophy

न्याय वैशेषिक – 3

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–अ

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. न्यायदर्शन के अनुसार इन्द्रियाँ प्राप्यकारी हैं अथवा अप्राप्यकारी, कोई चार प्रमाण देकर व्याख्या करें।
2. आत्मा नित्य है अथवा अनित्य? कोई चार प्रमाण देकर व्याख्या करें।
3. 'ज्ञान (बुद्धि)' किसका गुण है– शरीर, इन्द्रिय, विषय, मन अथवा आत्मा का? प्रमाणपूर्वक विस्तृत व्याख्या करें।
4. मन अणु परिमाण वाला है अथवा महत्? प्रमाणपूर्वक हेतु बताकर सिद्ध करें।
5. वैशेषिक दर्शन के अनुसार योग (समाधि), आत्मा की गति तथा मोक्ष का निरूपण प्रमाण पूर्वक करें।

खण्ड–ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. शरीर, इन्द्रिय, मनादि के संघात का नाम ही आत्मा (चेतन) है अथवा इससे व्यतिरिक्त? प्रमाणपूर्वक बतायें।
2. 'वीतरागजन्मदर्शनात्' सूत्र का क्या अर्थ है? भाष्यानुसार बतायें।
3. यदि ज्ञान मन का गुण मान लें तो क्या दोष आयेगा?
4. शरीरादियों में ही प्रवृत्ति-निवृत्ति देखी जाती है और शरीर भूतों से ही बने हैं तो भूतों में चैतन्य मानने से क्या दोष आयेगा, प्रमाणित करें।
5. वैशेषिक दर्शनानुसार भोजन कितने प्रकार का हो सकता है? हमें कैसे भोजन का सेवन करना चाहिए और क्यों?
6. वैशेषिक दर्शन में प्रशस्त भाष्यानुसार धर्म नामक गुण का विस्तृत निरूपण करें।

खण्ड-स
(अतिलघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में पॉच (05) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए। **(5×1=05)**

1. न्याय दर्शन में स्मृति के हेतु कितने बताये गये हैं?

2. वैशेषिक दर्शनानुसार जिन कर्मों को दोषपूर्ण भावना से किया जाता है उन्हें क्या कहते हैं?

3. लौकिक और वैदिक कर्म कितने-कितने प्रकार के हैं?

4. प्रवृत्ति और निवृत्ति किसे कहते हैं?

5. कृतधनम् और अकृताभ्यागम से आप क्या समझते हैं?

----------x----------